मानवतावादी

मनुष्य से बढ़कर कुछ नहीं व एक मनुष्य अन्य से निम्नतर नही

www.humanistparty.org Volume 2, Issue 1, September 2008, Free Circulation

ह्यूमनिस्ट पार्टी के पाँच मूलभूत बिंदु

(1) सक्रिय अहिंसा

ह्यूमनिस्ट पार्टी हिंसा से लड़ने के लिए स्वयं को अहिंसक कार्य द्वारा शासित करती है

(2) मानवमात्र–केन्द्रीय मूल्य

ह्यूमनिस्ट पार्टी मानवमात्र को केन्द्रीय मूल्य मानती है, कहती है–"मनुष्य से बढ़कर कुछ नहीं व एक मनुष्य अन्य से निम्नतर नहीं।" अतः वे जो मनुष्य से अधिक अन्य शक्ति को मानें, मानवतावाद के विषय में बोल नहीं सकते।

(3) सहकारितापरक तंत्र

आर्थिक मामलों में मा.पा. स्वयं को सहकारितापरक मानती है जो सामाजिक संगठन के इस रूप को राजनैतिक श्रेणी में ले जाने का लक्ष्य रखती है, नौकरशाही, राष्ट्रवाद व एकाधिपत्य से स्वतंत्र होकर।

(4) अभेदभाव

यह हमारा (ह्यूमनिस्ट पार्टी का) पारिभाषिक बिंदु है। हमारे लिए, केवल मनुष्यों का अस्तित्व है, लिंग, जाति, राष्ट्रीयता, धर्म के भेद महत्त्वपूर्ण नहीं हैं।

(5) विकल्प व अन–एकाधिपत्य का सिद्धांत

ह्यूमनिस्ट पार्टी स्वतंत्रता की एक मूर्त राजनैतिक अभिव्यक्ति के रूप में विकल्प को प्रभावपूर्ण व महत्त्वपूर्ण स्थान देती है। साथ ही वह हर प्रकार के एकाधिपत्य–चाहे आर्थिक हो, संगठनात्मक या वैचारिक–को समाप्त करने के लिए संघर्षरत है। हर प्रकार एकाधिपत्य में कुछ हिस्से द्वारा संपूर्ण इकाई पर स्वायत्तीकरण होता है। इसके अतिरिक्त, जहाँ एकाधिपत्य हो, वहाँ स्वतंत्रता नहीं होती।

जहाँ तक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों का सवाल है, भारत की मा.पा. एशिया में एकीकरण व स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहे लोगों को बढ़ावा व सहयोग देने संबंधी बिंदुओं को रखती है।

ये मुख्य पाँच बिंदु 'सिद्धांतों का घोषणा–पत्र' और 'राजनैतिक कार्य के आधार' में से संक्षिप्त रूप में लिए गए हैं। ये बिंदु एक प्रकार से राजनैतिक वास्तविकता के विशिष्ट आयामों तथा मत बनाने के लिए संदर्भ बिंदु का कार्य करते हैं।

परंपरागत राजनीति, राजनेता व पार्टियाँ

भ्रष्ट–मिथकीय–निरंकुश–परिवर्तित–मंद–असंगत–उपेक्षनीय – गैर – जिम्मेदार – अनैतिक – वैचारिक रूप से बंजर – विभाजित – अयोग्य – तानाशाह – तदर्थवादी – अपर्याप्त – संप्रदाय संबंधी – रूढिवादी–हठधर्मी–स्व–केंद्रित–संगठनात्मक तौर पर उत्पाती – अलोकतांत्रिक – खिन्न – असंव्यावसायिक – संकीर्ण – बुद्धि – पाखंडी – सत्ता के दलाल – अपमाननीय – दिखावाप्रधान – संप्रदायवादी – तुच्छ – जातिवादी – हिंसक – असहिष्णु – अनोत्तरदायी – चुनावप्रधान – समझौता प्रधान – भेदकारी – धन–संग्रहण करने वाले – प्रभुत्ववादी – वायदों से मुकरने वाले, और क्या नहीं।

नई राजनीति बनाने की प्रणाली की रूपरेखा

या राजनीति को कैसा होना चाहिए

नैतिक–सैद्धांतिक–सहभागी–प्रतिनिधि–दीर्घ–काल के लिए नियोजित–संगत–उत्तरदायी–एकीकृत–
अभेदकारी–सलाहकार–अद्यतन–निःस्वार्थ
भविष्वादी–अहिंसक–नियमित–संगठनात्मक रूप से मज़बूत–लोकतांत्रिक–राष्ट्रीय–भवदीय–जवाबदेह–यथार्थ–आत्मालोचक–मुक्त बुद्धि – सहकारी – सौहार्दपूर्ण – सतत् कार्य प्रधान – संव्यावसायिक–पर्याप्त–शुद्ध–अहठधर्मी–ईमानदार–अक्षेत्रवादी–समझौता न करने वाले – आनंदपूर्ण–प्रभावी–संचार करने वाले–युवा–कल्पनाशील–नवीन–जनता–प्रधान व बहुत कुछ।

ह्यूमनिस्ट पार्टी

ह्यूमनिस्ट पार्टी का गठन 10 दिसंबर 1984 को मानवतावादियों द्वारा किया गया। यह मानते हुए कि राजनीति हमारे जीवन पर बहुत ज्यादा असर डालती है; हिंसक–विभाजक–भ्रष्ट राजनीतिज्ञ हमारे जीवन में हिंसा और भेदभाव निरंतर बढ़ा रहे है; मानवतावदियों ने ये निर्णय लिया कि अब वे भारत को एक नई दिशा देंगे।
गांधी, मार्टिन लूथर किंग एवं सिलो के अहिंसा एवं अभेद भाव के सिद्धांतों पर आधारित यह मानवतावादी दिशा होगी जो देश को दिशाहीनता एवं राजनीतिक शून्यता से बाहर निकलेगी।
पार्टी की गतिविधियों के पहले चरण में हमने संसद, विधानसभाओं, नगरनिगम, ग्राम पंचायत आदि स्तरों पर देश के अलग–अलग हिस्सों से अपने प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार कर स्थिति का जायजा लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से हमने ह्यूमनिस्ट पार्टी के संगठन को देश के कई हिस्सों में बनाया और फेलाया।
अब पार्टी की गतिविधियों के दूसरे चरण में हमने आने वाले अधिकाधिक चुनाव में हिस्सा लेकर देश को मानवतावादी सरकार की दिशा में ले जाने की घोषणा की है। महाराष्ट्र, बिहार एवं उत्तरप्रदेश के पिछले पंचायत चुनावों के परिणामस्वरूप हमारी इस सोच को गति मिली है और हमें विश्वास है कि भारत मानवतावाद को अपनाने के लिए तैयार है।

ह्यूमनिस्ट पार्टी का संगठन

आधार परिषद
महासचिव
संगठन सचिव
राजनीतिक सचिव
प्रेस सचिव
संपर्क सचिव
प्रशासनिक सचिव
आर्थिक सचिव
समाजिक सचिव
आदि आवश्यकतानुसार

आधारभूत संगठन

सुनियोजित, सुनिर्मित आधार परिषद
(न्यूनतम शर्तें)

- 10 सदस्य (4 सचिव/सक्रिय कार्यकर्ता)
- 30 समर्थक
- पार्टी अखबार की 50 प्रतियों की बिक्री
- बैठक स्थान
- आंतरिक चुनाव

एच.पी. कार्य प्रणाली को प्रजातांत्रिक रूप देने के लिए प्रति वर्ष आंतरिक चुनावों का आयोजन किया जाता है। यह पार्टी आनुपातिक प्रतिनिधित्व की एक सूची वाली चुनाव व्यवस्था का उपयोग करती है।

आधार परिषद के सचिव

एक आधार परिषद तभी मजबूत और क्रियाशील मानी जा सकती है जब सभी सदस्य उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किसी न किसी रूप में योगदान दें बजाय कि वह स्थिति जब अधिकांश लोग काम न करें और कुछ ही लोग अधिक सक्रिय हों।
एक आधार परिषद तभी सुदृढ़ और संगठित है जब सभी सदस्य आवश्यकतानुसार एकजुट हो जाते हैं। और उससे भी अच्छी स्थिति तब है जब अत्यधिक क्रियाशील एक्टिविस्ट भिन्न–भिन्न स्तरों पर भिन्न–भिन्न क्रियाओं का आयोजन करते हैं जैसे कि सचिवालय।
कार्यों का यह विभाजन आधार परिषद को भिन्न–भिन्न उद्देश्यों, कार्यों को पूरा करने और संगठित करने के लिए आधार प्रदान करता है बजाय कि एक ही समय कई व्यक्ति एक ही काम में जुटे, कार्यों का विभाजन जरूरी है। यह एक संगठित सक्षम समूह कार्य की पहचान है।

• एक समूह अथवा दल में किए जा रहे कार्यों की तुलना में संगठित समूह में सुनियोजित तरीके से किए जा रहे कामों से अभीष्ट परिणाम सामने आते हैं।

• एक आधार परिषद को हम तब संगठित और आयोजित और क्रियाशील मान सकते हैं जब निम्नलिखित चार सचिवों की नियुक्ति हो गई हो और उन्होंने कार्य करना आरंभ कर दिया हो–

ह्यूमनिस्ट पार्टी का संगठन.....

1. महासचिव

आमतौर पर वह कार्यकर्ता जिसने नई आधार परिषद की स्थापना की हो, जो पूरी तरह से पार्टी के उद्देश्यों को प्राप्त करने की दिशा में गतिशील और समर्पित है, आधार परिषद का जनरल सैक्रेटरी बनता है, उसके मुख्य कार्य हैं अन्य सचिवों और उनकी गतिविधियों में समन्वय स्थापित करना और आधार परिषद के लिए जनता के प्रतिनिधि के रूप में काम करना। नियमित रूप से सप्ताह में एक बार वह चलाई जा रही गतिविधियों, परिणामों, योजनाओं के संबंध में उच्च स्तरीय काउन्सिल सदस्य को रिपोर्ट करती/करता है।

नियमित सदस्यों और नए जुड़ने वाले सदस्यों सम्बद्ध संस्थाओं के लिए सूचनात्मक व प्रस्तावना संबंधी बैठकें आयोजित करता/करती है। प्रैस कांफ्रेंस, साक्षात्कार आमंत्रित करना, आम जनता में वक्तव्य देना, संगठनात्मक और सिद्धांतों को लेकर आवश्यकतानुसार स्पष्टीकरण देना आदि उसके कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत आता है।

2 संगठन सचिव

यह सचिव बेसकाउन्सिल की वृद्धि और विस्तार के लिए उत्तदायी है और नई आधार परिषद आरंभ करना उनके लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करना भी इसी के कार्यक्षेत्र में आते हैं। नई संस्थाओं को जोड़ने के लिए, नए सचिवों की नियुक्ति के लिए, नए–नए स्थानों में अपनी पहुँच बनाने के लिए नई–नई योजनाओं, एक्शन प्लॉन का सुझाव देते हैं तथा उनको क्रियान्वित भी करते हैं।

3. राजनैतिक सचिव (पालिटिकल एक्शन सचिव)

उन सभी अभियानों और योजनाओं तथा गतिविधियों की योजना बनाने, उन्हें आयोजित व संगठित करने और क्रियान्वित करने का उत्तरदायितव इन पर है जिनके माध्यम से पार्टी अपने आस–पास की राजनैतिक जिंदगी में सशक्त रूप से उभर सके और क्रियाशील बन सकें। मुद्दों पर भिन्न–भिन्न तरीके से कदम उठाकर और उन्हें रैली, मोर्चा, हस्ताक्षर अभियान, हड़ताल आदि के द्वारा उभारकर हमारे कार्यर्ता लोगों को संगठित करते हैं जिससे आधार परिषद की उपस्थिति को महसूस किया जा सके और अस्तित्व को जाना जा सके।

सचिव को स्थानीय मुद्दों, दूसरी राजनैतिक शक्तियों और उनके द्वार उठाए जा रहे कदमों व प्रयासों की जानकारी होनी जरूरी है।

4. प्रेस सचिव (मासमीडिया या जन संचार सचिव)

पार्टी को लोग जाने, जन संचार के साधनों द्वारा इसके कार्यों का प्रचार–प्रसार हो, इन बातों का उत्तरदायित्व डिफ्यूज़न सचिव का है। पत्रकारों से लगातार संपर्क बनाए रखना, प्रैस नोट लिखना और भेजना, प्रैस कांफ्रेंस आयोजित करना और अन्य सचिवों के साक्षात्कारों का आयोजन करना आदि मुख्य उत्तरदायित्व हैं। इन सभी उत्तदायित्वों के साथ–साथ यह सचिव वॉल राइटिंग (दीवार लेखन), अपने अख़बार की बिक्री, पोस्टरों को चिपकवाना, बैनर लीफलैट्स आदि द्वारा प्रसार के लिए भी उत्तरदायी है।

ऊपर उल्लिखित सचिवों की नियुक्ति के पश्चात निम्नलिखित सचिवों की नियुक्ति की जानी चाहिए।

5. संपर्क सचिव (पब्लिक रिलेशंस सचिव)

यह सचिवालय अन्य राजनैतिक पार्टियों से नियमित रूप से संपर्क बनाए रखता है और आस–पड़ोस में काम आने वाले संगठनों से भी संपर्क साधता है इसी प्रकार सरकारी अधिकारियों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों से भी संपर्क साधना भी जरूरी होता है। इन सब कार्यों के माध्यम से पार्टी की सूचनाएँ, उद्देश्यों संयुक्त कार्यवाहियों का प्रचार–प्रसार होना जरूरी है।

6. सामाजिक सचिव

आम राय चुनावों के माध्यम से सामाजिक समस्याओं और अपेक्षाओं की जानकारी रखते हुए यह सचिवालय उत्पादन, व्यवस्थापन, सेवाओं आदि के क्षेत्र में सहकारी प्रयासों को आमन्त्रित करता है। मुख्यतः सबसे पहले अपने सदस्यों की अपेक्षाओं और जरूरतों तथा संघर्षों को दूर करने व उनके लिए समाधान पाने की दिशा में प्रयत्नशील रहता है।

7. प्रकाशन सचिव

पब्लिकेशंस से संबंधित सभी प्रकार की बेस काउंसिल की जरूरतों जैसे–लीफ़लैट्स पोस्टर, बैनर आदि) की छपाई, मुद्रण का उत्तरदायित्व इस कार्यालय पर है। केवल मुद्रण ही नहीं अपितु विषयवस्तु का चयन व उसकी डिजायनिंग भी इसी कार्यालय द्वारा की जाती है। दूसरी ओर सहयोग लेकर 'द ह्यूमनिस्ट वॉयस' के लिए लेख आमन्त्रित करना, लिखना, अनुवाद करना, बिक्री वितरण आदि भी इसी सचिवालय का उत्तदायित्व है।

8. प्रशासन सचिव

आधार परिषद की सभी कार्यवाहियों, बैठकों की रिपोर्ट तैयार करना, आवश्यक स्थानों पर उन्हें भेजना, सभी सचिवों से संबंधित सूचनाएँ एकत्रित करना, कार्यकर्ताओं से आवश्यक सूचनाएँ प्राप्त करना, उनका सभी जगह प्रसार करना, समाचार तैयार कर, संप्रेषित करना, नोटिस भेजना आदि इस सचिवालय की कार्य परिधि में आता है।

9. वित्त सचिव

यह फंडरेजिंग गतिविधियों तथा कार्यक्रमों का आयोजन करता है, वास्तविक दानकर्ताओं से संपर्क साधता है, आधार परिषद की आय–व्यय का लेखा–जोखा रखता है, यह कार्य वह व्यक्तिगत रूप से भी कर सकता/सकती है और सामूहिक रूप से भी।

10. वैचारिक सचिव (क्लेरीफिकेशन सचिव)

इन्हें अपनी पार्टी के मतों और सिद्धांतों की गहन रूप से समझ और जानकारी होनी चाहिए, जिन मुद्दों को उठाया गया है, उनकी समझ और जानकारी होनी चाहिए, जिन मुद्दों को उठाया गया है, उनकी समझ और उनके क्या प्रभाव होंगे, स्थानीय परिस्थितियों में आधार परिषद के कार्यक्रमों का रूपांतरण किस प्रकार से हो, यह समझ रखनी बहुत जरूरी है।

सचिव स्पष्टीकरण संबंधी सामग्री तैयार कर सकती/सकता है, इस प्रकार की बैठकें आयोजित कर सकता है जहा। पर इन मुद्दों पर खुलकर चर्चा की जा सके और हर बिंदु का खुलासा हो सके।

ऊपर जिन सचिवों का उल्लेख किया गया है वे कार्य की प्रकृति, विशालता के आधार पर संयुक्त सचिवों की सहायता ले सकते हैं। यह विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि इन सभी की नियुक्ति प्रॉविजनल ही होगी जब तक कि आंतरिक चुनावों द्वारा इन्हें स्वीकार न कर लिया जाए। आधार परिषद के सभी सचिव एक टीम के रूप में कार्य करते हैं, प्रत्येक प्रस्ताव रखते है, चर्चा में हिस्सा लेते हैं और अपने अलग–अलग कार्यों पर एक–दूसरे की राय भी जानते हैं। हर गतिविधि और हर अभियान में सभी की अपनी–अपनी क्षमता व सामर्थ्यानुसार हिस्सेदारी होती है।

सामूहिक गतिविधियों को क्रियान्वित करते समण वे सभी वही कुछ करते हैं जो कि किसी भी सामान्य से कार्यकर्ता को करना चाहिए, साथ–साथ कार्यकर्ताओं के समूह को गतिविधियों से परिचित करवाते हैं, सचिव सदैव अपने कार्यविशेष की ओर प्रयासरत रहते हैं। किसी भी आधार परिषद का मुख्य कार्य प्रत्येक कार्यकर्ता के आधार पर दैनिक, साप्ताहिक व मासिक गतिविधियों को क्रियान्वित करना है जो उच्च स्तरीय काउन्सिल (परिषद) द्वारा सौंपी गई है या फिर परिषद् स्वयं तय की है। आदर्श स्थिति तो यह है कि हर बेस परिषद् नए नए संगठनों, संघों को अपने से जोड़े, 'द ह्यूमनिस्ट वॉयस' की बिक्री और वितरण को बढ़ाए, वर्तमान गतिविधियों के क्रियान्वयन के लिए नए–नए लोगों को आमन्त्रित करे, उनका सहयोग ले और आधार परिषद की जरूरतों के अनुसार सहयोग प्रदान करें। हर कार्यकर्ता को इस बता के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। कि वह कम से कम 4 सदस्यों की ही उपस्थिति से अपनी एक बेसकाउन्सिल आरंभ करे जो एक तरह से मूल आधार परिषद का शाखा की तरह ही काम करेगी। इस बात के लिए कार्यकर्ता को पूरी तरह से सहयोग देना चाहिए और उसके मनोबल को बढ़ाना चाहिए। ऐसी आधार परिषद जो उच्चस्तरीय परिषदों से काफी दूर के क्षेत्रों में कार्यरत हैं। उन्हें स्थानीय जरूरतों के अनुसार अपनी गतिविधियों को आयोजित करने की स्वतंत्रता और स्वायत्ता देनी बहुत जरूरी है। गतिविधियों का क्रियान्वयन का मूल ढाँचा पार्टी के 5 मुख्य बिंदुओं पर ही आधारित होना चाहिए।

वही गतिविधि सर्वोत्तम व स्वीकार्य है जो 5 मुख्य बिंदुओं पर आधारित है और आधार परिषद को विस्तार के मौके प्रदान करती है।

नई आधार परिषद् को प्रदत्त सभी पार्टी कार्यालय 'प्राविजनल' प्रकृति के होंगे जब तक कि पार्टी के संगठनात्मक चुनाव अधिकारियों को मान्यता न दे देवें या फिर चुनाव परिणामों के आधार पर उनमें फेरबदल न कर देवें।

किसी भी नव निर्मित आधार परिषद केन्द्र का मुख्य कार्य (चार मुख्य सचिव) अन्य सचिवालयों की गतिविधियों को क्रियान्वित करने के लिए स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं को आमन्त्रित करना व काम के लिए तैयार करना है।

प्रत्येक सचिव के लिए यह बेहतर होगा कि वह कम से कम एक सहायक सचिव का प्रावधान अवश्य करें जिससे उसके कार्यों में सुभीता हो सके। इस प्रकार यदि वे उच्च स्तरीय परिषदों की ओर गमन करते हैं अथवा किसी कारण अनुपस्थित हो जाते हैं तो सहायक सचिव रिक्त स्थान की पूर्ति कर सकते हैं।

परिषदें एवं उनका कार्यक्षेत्र

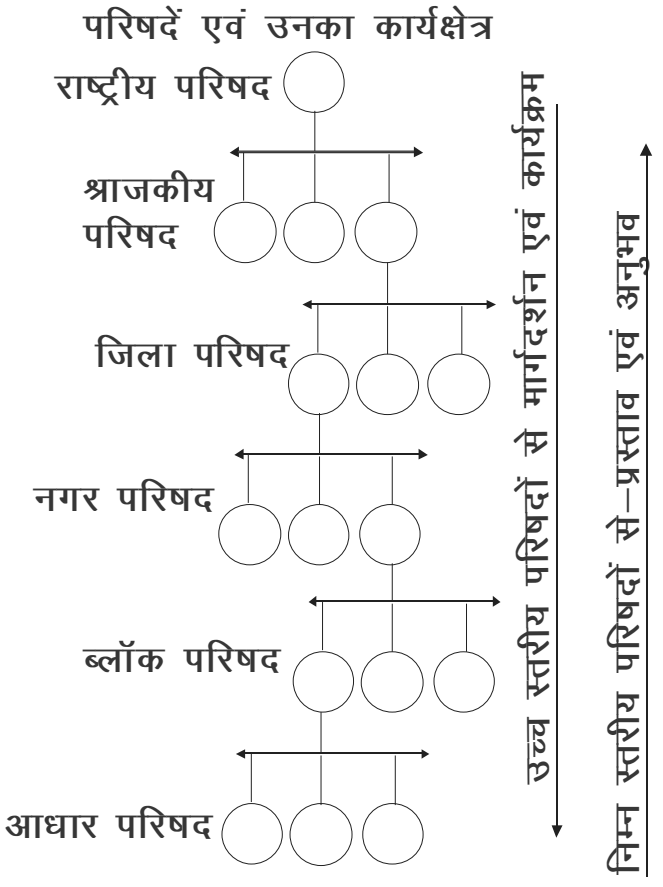

हमारा प्रतीक

ह्यूमनिस्ट पार्टी का प्रतीक मोबियस रिबन का नया रूप है, वे एक महान गणितज्ञ थे तथा स्थानों का प्राकृतिक वर्णन करते थे। इस रिबन को कोई भी बना सकता है। बस एक कागज या कपड़े के रिबन को घुमाकर इसके दोनों सिरों को मिला दें। अब यह बंद रिबन एक छल्ला बना जाता है जिस का एक विशेष गुण है। इसकी केवल एक सतह है। एक सतत् रेखा इस रिबन के साथ खींची जा सकती है, बस इसके सिरों को बदलना है, बिना रोके। यानी सिरे अबाधित रूप से परस्पर जुड़े हैं। यह एक अनंत सतह का रिबन है जिसका प्रयोग गणित व तर्कशास्त्र में होता है।
अनंतता का यह प्रतीक दर्शाता है कि हम मानव को कैसे समझते हैं, या हम मनुष्य व उसके भविष्य के बारे में क्या सोचते हैं, भविष्य जिसमें परिवर्तन व असीम संभावनाए हों। मनुष्य में बदलाव व विकास की अनंत संभावनाए हैं।
यह प्रतीक दो संसारों के संबंध को भी दर्शाता है : आंतरिक व बाह्य, अंतर्संबंध व्यक्ति व समाज में, सामाजिक व व्यक्तिगत परिवर्तन में, आदि। फीड़बैक का संबंध, लेन–देन का संबंध जो यूँ तो परस्पर विपरीत है पर अंतर्संबंध व अंतर्प्रभावित भी।
रिबन की सतह सफेद है, किनारे काले व पृष्ठभूमि नारंगी है। नारंगी रंग का अर्थ है–"ना मानव से उच्च कुछ है तथा ना एक मानव अन्य से निम्नतर है।"

व्यक्तिगत परिवर्तन

ह्यूमनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं के समक्ष यह बिंदु स्पष्ट है। अहिंसा, सामाजिक सौहार्द, सहयोग, व्यक्तिगत स्पष्टीकरण, सहयोग, टीम वर्क, प्रत्यक्ष संचार आदि हमारे कार्यकर्ताओं का व्यक्तिगत परिवर्तन कर रहे होते हैं, उस समय, जब वे जनता की सेवा में कार्यरत होते हैं।

यही कारण है कि ह्यूमनिस्ट पार्टी में आने वाले पारंपरिक राजनीति के अनुयायी परिवर्तित हो जाते हैं या आशानुरूप माहौल ना पाकर स्वयं ही दल छोड़कर चले जाते हैं।

हम हिंसा का दमन करने की कोशिश करते हैं। अतः उचित सोच, उचित भावना, उचित कार्य के साथ मिलकर समाज व व्यक्ति दोनों में एक ही समय पर परिवर्तन लाने में सफल होते हैं।

दूसरी ओर वे जो सक्रिय भागीदार नहीं है या शासित वर्ग के लिए पार्टी ऐसे कार्यक्रम लाई है जिनमें शिक्षा, जनसंचार माध्यम, ऐच्छिक सामाजिक–सांस्कृतिक कार्यक्रम मानवतावादी परिवर्तन व उन मानवतावादी आदर्शों का विकास करेंगे जिन्हें हमारे समाज, संस्कृति, विज्ञान, कला ने दबाकर रखा है। यह एक नई भारतीय नागरिकता को जन्म देगा जिसमें नए आदर्श, अर्थ, विषय, संस्कार व उत्तरदायित्व होंगे जो और मानवीय होंगे। अपनी विशेषताओं व क्रियान्वयन के साथ सरकारी नीतियाँ एक उचित माहौल प्रदान करेंगी जो इन सब वायदों को पूरा करेंगी।

पार्टी फंड

पार्टी का फंड अपने सदस्यों और सहयोगियों के प्रयासस्वरूप इकट्ठा किए गए दान और योगदान के आधार पर तैयार होता है। दान उसी शर्त पर स्वीकार किए जाते हैं जब पार्टी के सिद्धांतों और मतों की अवहेलना न की जाए या फिर उनके विरुद्ध जाकर दान किसी भी कीमत पर स्वीकृत नहीं किया जाता।
हमेशा यह प्रयास किया जाता है कि कभी भी किसी एक ही स्रोत से फंड/दान न लिया जाए क्योंकि उससे अनुचित लाभ उठाने की आशंका बनी रहती है।
छोटे, मध्यम तथा बड़े–बड़े उद्यमियों से आधार और फंड प्राप्त करने की चेष्टा रहती है जो उद्यमी सरकारी नीतियों और बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रभावित हैं वे भी पार्टी का फंड जुटाने में मदद कर सकते हैं।
यद्यपि पार्टी के दिन प्रतिदिन के खर्चों को पूरा करने के लिए कार्यकर्ता पूरी तरह से अपने पर ही निर्भर करता/करती है या फिर अखबार बेच कर अपना खर्च जुटाया जा सकता है या फिर किसी भी प्रकार के अभियान आयोजित करके भी खर्च जुटाया जा सकता है। पार्टी फंड से कोई भी सदस्य अपनी आजीविका नहीं जुटा सकता

फंड	स्रोत	उपयोग
बड़ी संख्या	बड़ी राष्ट्रीय कंपनियाँ	चुनाव अभियान (अवसरों के अनुकूल कभी कभी)
मध्यम संख्या	मध्यम स्तरीय राष्ट्रीय कंपनियाँ	चुनाव अभियान (अवसरों के अनुकूल कभी कभी)
छोटी संख्या	राष्ट्रीय लघु उद्योग–कंपनियाँ दूकानें, सदस्य–सहयोगी पार्टी अखबार बेच कर	आधार परिषद की रोज की कार्यवाहियाँ

आगामी संसदीय चुनाव 2009

15 वीं लोकसभाके चुनाव अप्रैल **2009** के आसपास होने हैं, हयूमनीस्ट पार्टी पूरे देश में इमानदार एवं कर्मठ मानवतावादी नौजावानों को अपना प्रत्याशी बनाना चाहती है।

जो भी अपने को, आत्मविश्वास सहित, इस कसौटी पर खरा पातें हैं, उनका स्वागत है।
तुरन्त हमसे सम्पर्क करें

ताकी आपके क्षेत्र में तैयारी शुरू हो सके ।

पारंपरिक दल, राजनीतिज्ञ व राजनीति

वर्तमान राजनैतिक पार्टियाँ भारत को वह परिवर्तन नहीं दे सकतीं जो आवश्यक है–मानववादी परिवर्तन ।

उनके उद्देश्य, संगठन, कार्य–प्रणाली पुराने पाश्चात्य नमूनों पर टिके हैं जो देश को अवनति की ओर ले जाते हैं।

चाहे जन–संबोधन हो, कार्य–प्रणाली या विषयों पर उनके विचार–ये पार्टियाँ कहीं भी जाति, उप–जाति, लिंग, रंग, भाषा आदि के भेदभाव से अछूती नहीं हैं।

अतः ये दल किसी न किसी समन्वय को आहत करते हैं, सामंजस्य व सौहार्द को हानि पहुँचाते हैं। इस कारण ये अशांति, हिंसा फैलाकर एकीकरण समाप्त कर रहे हैं। अपनी जाति, धर्म, लिंग, धन, प्रदेश, भाषा, रंग से पहचाने जाने वाले लोगों के या तो वे विरुद्ध होते हैं आर यदि साथ हों तो इसमें उनका स्वार्थ छिपा होता है।

ये दल अपने झूठे आदर्शों को ही झुठलाकर, किए गए वायदों से मकरते हैं। ये भारत के लिए नहीं निज हित के लिए राजनीति में हैं। ये मानवतावादी सभ्यता के शत्रु हैं।

इनके पास भेदभाव की समस्या का हल नहीं है क्योंकि ये खुद उसे बढ़ावा देते हैं।

ये इस विषय में कर ही क्या सकते हैं? एक राम–राज्य की कल्पना? प्राधिकृत हिंदूराज? श्रमिक वर्ग की तानाशाही? बिगड़ा हुआ गांधीवादी समाजवाद?

जिस तरह केले का बीज, नारियल नहीं उगा सकता, ये दल कभी मानववादी परिवर्तन नहीं उगा सकता, ये दल कभी मानववादी परिवर्तन नहीं ला सकते। अधिकाधिक ये संशोधक, प्रविधितंत्री या उदारवादी सरकार बना सकते हैं पर ह्यूमनिस्ट पार्टी जैसा मनोवैज्ञानिक परिवर्तन नहीं ला सकते।

महत्वपूर्ण मुद्दों की तरफ़ या तो उनका ध्यान जाता नहीं और कभी चला जाए तो वे पहल नहीं कर पाते क्योंकि इसके लिए दूरदृष्टि चाहिए जो उनके पास नहीं है। अतः तुच्छ हित व दबाव उनके निर्णयों में निहित होते हैं।

अतः वर्तमान में राजनीति, राजनीतिज्ञ व दल भ्रष्टाचार, मिथ्या नेतृत्व, घृणा, अनादर, निजहित की भावना से सराबोर हैं।

कितने ही उदाहरण हमारे समक्ष हैं जब जीवन, संपत्ति, राष्ट्रीय एकीकरण के विरुद्ध अपराधों में या तो इन दलों का बड़ा हाथ रहा है या कोई न कोई योगदान, यथार्थ उत्तेजना से या खिन्न असावधानी से।

इन दलों व राजनीतिज्ञों का इकलौता आदर्श है सत्ता पाना और उसे क़ायम रखना। अधिकतर सत्ता के लिए कुछ भी देने और लेने, करने–करवाने पर आमादा हैं। ये वे हैं जो साध्य के लिए कोई भी साधन अपनाते हैं। ह्यूमनिस्ट पार्टी के लिए यह उल्टा है, कोई भी साध्य अशोभनीय साधनों से प्राप्त नहीं हो सकता।

ह्यूमनिस्ट पार्टी
भारत के मानवीकरण को समर्पित

www.humanistparty.org

मानवतावादी राष्ट्र के नवनिर्माण को समर्पित

"मनुष्य से बढ़कर कुछ नहीं व एक मनुष्य अन्य से निम्नतर नहीं"

सदस्यता फार्म

नाम : _____

पिता/पति का नाम : _____

पूरा पता : _____

_____

_____ जन्म तिथी/आयु : _____

दूरभाष : _____ ई-मेल : _____

मैं वादा करता हूँ कि ह्यूमनिस्ट पार्टी सदस्य के नाते किसी प्रकार की हिन्सा में भागेदार नहीं बनुंगा।

_____ _____
सदस्य के हस्ताक्षर परिचायाक के हस्ताक्षर

वार्षिक सदस्यता शुल्क रू 10 प्राप्त किया।

_____
सदस्य बनाने वाले के हस्ताक्षर एवं तारीख

ह्यूमनिस्ट पार्टी – राष्ट्रीय परिषद

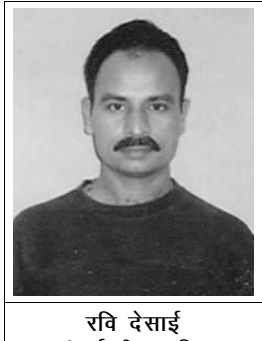

रवि देसाई
अंतर्राष्ट्रीय सचिव

अतुल जडिया
राष्ट्रीय प्रैस सचिव

सुधीर गन्दोत्रा
राष्ट्रीय महासचिव

शंकर के. द्राविड
राष्ट्रीय संपर्क सचिव

परिमल मर्चेन्ट
राष्ट्रीय राजनैतिक सचिव

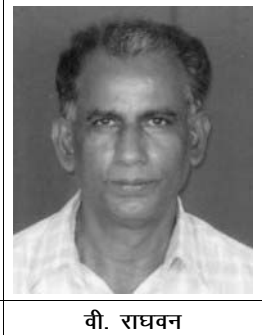

वी. राघवन
राष्ट्रीय संगठन सचिव

जयेश भयानी
राष्ट्रीय सामाजिक सचिव

सुधीर गन्दोत्रा–राष्ट्रीय महासचिव : 1980 से मानवतावादी गतिविधियों में कार्यरत, सुधीर ह्यूमनिस्ट पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से हैं। महाराष्ट्र, तमिलनाडू, बंगाल, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब में मानवतावादी गतिविधियाँ शुरू करने के उपरांत अब उत्तर भारत में मानवतावादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

परिमल मर्चेन्ट–राष्ट्रीय राजनैतिक सचिव : 1981 से मानवतावादी गतिविधियों में कार्यरत, परिमल मानवतावादी पार्टी के संस्थापक सदस्यों में से हैं। 1987 में महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव के लिए एवं 1999 में संसद चुनाव के लिए ह्यूमनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार रहे। परिमल इस समय महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक राज्यों में खासकर नौजवानों के साथ सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर मानवतावादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

अतुल जडिया–राष्ट्रीय प्रैस सचिव : 1987 से मानवतावादी गतिविधियों में कार्यरत, अतुल मुंबई एवं आंध्रा में झुग्गी–झोंपड़ी वासियों के विकास, व्यवसायिक शिक्षा एवं उच्च जीवन स्तर के मुद्दों पर मानवतावादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं। वे 'फ्रैंड्स ऑफ दि ह्यूमनिस्ट, स्लम सैल्फ इंप्रुवर्स' के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। अतुल इस बात में विश्वास करते हैं कि अच्छे लोगों को आगे आकर समाज एवं राष्ट्र की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

जयेश भयानी–राष्ट्रीय सामाजिक सचिव : 1985 से मानवतावादी गतिविधियों में कार्यरत, जयेश 1989 में संसद के लिए पार्टी के उम्मीदवार रहे। वे अपने इलाके में लगातार मानवतावादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

शंकर के. द्राविड–राष्ट्रीय संपर्क सचिव : 1991 से मानवतावादी गतिविधियों में कार्यरत, शंकर अपने इलाके के लोगों के साथ आत्मा से जुड़े हुए एक स्वाभाविक नेता हैं। पेशे से स्पेशलिस्ट कार मैकेनिक, शंकर अपनी जीवन सीमाओं से आगे आकर सामाजिक–राजनीतिक गतिविधियों में लोगों को सहज ही जोड़ लेते हैं एवं उनके साथ अहिंसा तथा अभेदभाव का मानवतावादी संगठन बना लेते हैं। सन 2001 में मुंबई महानगर पालिका कमीश्नर ने उन्हें लोगों में जागरूकता लाने के लिए सम्मानित किया। वे 1997 में नगर पालिका एवं 1999 में विधानसभा के लिए ह्यूमनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार रह चुके हैं। 15 साल की उम्र से सामाजिक गतिविधियों में कार्यरत शंकर इस समय मुंबई, पांडिचेरी एवं तमिलनाडू में मानवतावादी गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं।

रवि देसाई–अंतर्राष्ट्रीय मामलों के सचिव : 1987 से मानवतावादी गतिविधियों में कार्यरत, रवि अपने इलाके में कई सफल अभियानों के लिए जाने जाते हैं। 1995 में नगर पालिका के लिए ह्यूमनिस्ट पार्टी के उम्मीदवार रह चुके हैं। रवि ने अपने इलाके में विस्थापित लोगों को उचित मुआवजा दिलाया जिसके लिए इलाके के विधायक ने भी हाथ खड़े कर दिए थे। लोगों ने खुश होकर अपनी नई रिहायशी कालोनी का नाम रवि कॉपरेटिव सोसाइटी रख दिया है।

वी. राघवन–राष्ट्रीय संगठन सचिव : पेशे से इलैक्ट्रिकल इंजीनियर, राघवन लोगों की राजनीतिक आकांक्षाओं को स्वाभाविक रूप से समझने वाले, मानवतावादी गतिविधियों में 1992 से केरल में कार्यरत हैं।

भारतीय ह्युमनिस्ट पार्टी
प्रस्तावित घोषणा पत्र के मुखय बिन्दु

• मतदान की उमर 15 वर्ष • सभी नागरिकों के लिए वारहीं कक्षा तक मुफ्त एवं अनिवार्य सामान मानवताबादी शिक्षा

• पैदल दुरी के अन्दर सभी के लिए विधालय • प्रत्येक जिले में एम्स जैसा अस्पताल एवं सभी के लिए मुफ्त चिकित्सा

• 2175 रू प्रति माह बेरोजगारी भत्ता पुरे देश में • बिना छत के कोई नहीं रहेगा

• किसान नौजवान एवं औरतों को पुरे हक एवं गरिमापूर्ण जीवन • अर्थव्यवस्था के सभी स्तरों पर पुर्ण भागीदारी वाली सहकारी व्यवस्था।

• मन्त्री, मुखय मन्त्री, प्रधान मन्त्री एवं राष्टपती की अधिकतम आयु 60 वर्ष • कोई भी व्यकती केवल एक बार मन्त्री, मुखय मन्त्री, प्रधान मन्त्री

• चुने हुऐ जनप्रतिनिधियों को वापिस बुलाने का अधिकार • सभी प्रकारके भेदभाव का अन्त और मानव का दर्जा सबसे उपर

• पड़ोसी देशों के साथ व्यापक शान्ती समझौते एवं भारत नेपाल जैसी खुली सीमा • किसी भी मुद्दे के हल के लिये हिंसा का उपयोग नहीं होगा

• भ्रष्टाचारको समाप्त करने के लिए सामाजिक आडिट, खुला एवं पारदर्शी सामाजिक जीवन, खुली सरकार, पैसे का इस्तेमाल केवल आदान प्रदान के लिए न की शक्ती के रूपमें

• विकास के सभी कार्यकमों मे प्रयावरण का पुरा ध्यान • खेती की जमीन पर उध्योग नहीं ऐस इ जैड बन्द होंगे

• विज्ञान एवं तकनीक, खेल और जीवन के अन्य सभी जरूरी क्षेत्रों में सही रूप और मात्रा में लोगों की भागीदारी एवं प्रयवेक्षण में खर्चा व तरक्की

ह्यूमनिस्ट पार्टी HUMANIST PARTY OF INDIA
National H.O.: R-10, Khirki Extn, Malviya Nagar, N.Delhi-17
Tel: 0-93124-65666 E-mail: info@humanistparty.org Fax : 011-26014672 www.humanistparty.org
Salempur, Distt.: Deoria 274509, U.P. • Village Ladwa, Hissar, Haryana
34, Lavina, Tagore Road, Santacruz (W), Mumbai-400 054.
Edited by Sudhir Gandotra, General Secretary, HP & Published by Atul Jadia, National Press Secretary, HP.
1,000 Copies Printed Courtesy : SHUBH OFFSET PRINTERS, Mumbai, at : C/242, Guru Govind Singh Indl. Estate, Jay Coach, Goregaon (E), Mumbai-63.